ग्रामीण कृषि मौसम सेवा
भारत मौसम विज्ञान विभाग
गोविंद बल्लभ पंत कृषि और प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय
उधम सिंह नगर, पंतनगर, उत्तराखंड

मौसम आधारित कृषि परामर्श सेवाएं

दिनांक : 10-03-2026

नैनीताल(उत्तराखंड) के मौसम का पूर्वानुमान - जारी करनेका दिन :2026-03-10 (अगले 5 दिनों के 8:30 IST तक वैध)

मौसम कारक	2026-03-11	2026-03-12	2026-03-13	2026-03-14	2026-03-15
वर्षा (मिमी)	0.0	0.0	0.0	0.0	0.0
अधिकतम तापमान(से.)	25.0	26.0	26.0	26.0	27.0
न्यूनतम तापमान(से.)	12.0	12.0	12.0	13.0	14.0
अधिकतम सापेक्षिक आर्द्रता (%)	60	50	42	42	44
न्यूनतम सापेक्षिक आर्द्रता (%)	28	19	16	12	16
हवा की गति (किमी प्रति घंटा)	8	8	8	10	9
पवन दिशा (डिग्री)	14	32	270	31	34
क्लाउड कवर (ओक्टा)	1	1	0	0	3
चेतावनी	कोई चेतावनी नहीं	कोई चेतावनी नहीं	कोई चेतावनी नहीं	कोई चेतावनी नहीं	कोई चेतावनी नहीं

पूर्वानुमान सारांश:

आगामी सप्ताह में बारिश की कोई संभावना नहीं है और न ही कोई चेतावनी जारी की गई है। अधिकतम और न्यूनतम तापमान क्रमशः 25 से 27 डिग्री सेल्सियस और 12 से 14 डिग्री सेल्सियस रहने का अनुमान है। हवा उत्तर-पूर्व, उत्तर-पूर्व-उत्तर और पश्चिम दिशा से 8-10 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से चलने की संभावना है। आगामी सप्ताह के लिए कोई चेतावनी जारी नहीं की गई है। आगामी सप्ताह में शुष्क मौसम बना रहेगा।

मौसम चेतावनियाँ (अगले दिन के 08:30 IST तक मान्य):

मौसम संबंधी कोई महत्वपूर्ण चेतावनी जारी नहीं की गई है, लेकिन तापमान में वृद्धि होने की संभावना है।

मौसम चेतावनियों के कृषि पर संभावित प्रभाव और संबंधित एग्रोमेट सलाह:

तापमान बढ़ने की संभावना को देखते हुए, रबी फसलों में नियमित सिंचाई करनी चाहिए क्योंकि गेहूं में दाने भरने की अवस्था है और दलहन फसलों में भी फली भरने की अवस्था है। सब्जियों की फसलों में भी पर्याप्त सिंचाई करके तापमान को नियंत्रित करना चाहिए।

सामान्य सलाहकार:

मौसम का पूर्वानुमान "मौसम ऐप" पर नियमित रूप से अपडेट किया जाता है और मौसम संबंधी कृषि सलाह "मेघदूत ऐप" पर नियमित रूप से अपडेट की जाती है। बिजली गिरने की जानकारी के लिए "दामिनी ऐप" उपलब्ध है। मौसम, मेघदूत और दामिनी ऐप गूगल प्ले स्टोर (एंड्रॉइड उपयोगकर्ता) और ऐप सेंटर (आईओएस

उपयोगकर्ता) से डाउनलोड किए जा सकते हैं। 6 से 12 मार्च तक के विस्तारित पूर्वानुमान में कम वर्षा और सामान्य से अधिक अधिकतम और न्यूनतम तापमान का संकेत मिलता है।

लघु संदेश सलाहकार:

मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) के अनुसार, तापमान में वृद्धि होने की संभावना है, इसलिए रबी फसलों और सब्जियों में तापमान को बनाए रखने के लिए सिंचाई की जानी चाहिए।

फ़सल विशिष्ट सलाह:

फ़सल	फ़सल विशिष्ट सलाह
मसूर की दाल	तापमान को बनाए रखने के लिए नियमित सिंचाई करनी चाहिए। कीट स्तर की निगरानी के लिए फसल की नियमित निगरानी करनी चाहिए। कीटों के हमले से निपटने के लिए जैविक और रसायनिक नियंत्रण उपाय अपनाने चाहिए। कीटों की संख्या को नियंत्रित करने के लिए रात में फेरोमोन या लाइट ट्रैप का उपयोग किया जा सकता है। कीटों को नियंत्रित करने के लिए 5% नीम के बीज के अर्क (नीम सीड कर्नेल एक्सट्रेक्ट) का भी उपयोग किया जा सकता है। क्लोरोपाइरीफोस 20 ईसी 2.5 लीटर/हेक्टेयर की दर से रासायनिक नियंत्रण उपाय किए जा सकते हैं।
रेपसीड	यदि फसल पक गई हो तो फलियों को तोड़कर धूप में सुखा लें। फली बनने की अवस्था में फसलों को नियमित रूप से सिंचाई प्रदान करें। महू के हमले की स्थिति में, जीवाश्म या रासायनिक नियंत्रण उपायों का प्रयोग करें, यदि नियमित निगरानी के अनुसार कीट की संख्या ईटील स्तर से अधिक हो, तो पीले चिपचिपे जालों का उपयोग करें। रासायनिक नियंत्रण के लिए ऑक्सी-डेमेटोन मिथाइल 25 ईसी (1 मिली/लीटर) या डाइमेथोएट 30 ईसी (1 मिली/लीटर) का प्रयोग किया जा सकता है।
सरसों	यदि फसल पक गई हो तो फलियों को तोड़कर धूप में सुखा लें। फली बनने की अवस्था में फसलों को नियमित रूप से सिंचाई प्रदान करें। महू के हमले की स्थिति में, जीवाश्म या रासायनिक नियंत्रण उपायों का प्रयोग करें, यदि नियमित निगरानी के अनुसार कीट की संख्या ईटील स्तर से अधिक हो, तो पीले चिपचिपे जालों का उपयोग करें। रासायनिक नियंत्रण के लिए ऑक्सी-डेमेटोन मिथाइल 25 ईसी (1 मिली/लीटर) या डाइमेथोएट 30 ईसी (1 मिली/लीटर) का प्रयोग किया जा सकता है।
गेहूँ	नियमित सिंचाई की जानी चाहिए और खरपतवारों की निगरानी की जानी चाहिए। फैलारिस माइनर को नियंत्रित करने के लिए क्लोडीनाफोप (60 ग्राम/हेक्टेयर) या फेनोक्साप्रोप (100-120 ग्राम/हेक्टेयर) का उपयोग करके रसायनिक नियंत्रण किया जा सकता है। और छोटे खेतों में यांत्रिक नियंत्रण हाथ से खरपतवारों को हटाकर किया जा सकता है।

बागवानी विशिष्ट सलाह:

बागवानी	बागवानी विशिष्ट सलाह
सेम की फली	फ्रेंचबीन की बुवाई कर देनी चाहिए और तापमान को बनाए रखने के लिए नियमित रूप से सिंचाई करनी चाहिए।
गाजर	पहाड़ी क्षेत्रों में गाजर की यूरोपीय किस्मों की बुवाई की जा सकती है।
मूली	पहाड़ी क्षेत्रों में मूली की यूरोपीय किस्मों की बुवाई की जा सकती है।
सब्जी पीईए	आवश्यकतानुसार सिंचाई की जानी चाहिए और उचित कीट नियंत्रण किया जाना चाहिए। पकी हुई फलियों को तोड़कर बिक्री के लिए भेज देना चाहिए।

पशुपालन विशिष्ट सलाह:

पशुपालन	पशुपालन विशिष्ट सलाह
भेंस	गायों/भैंसों में संक्रामक दस्त होने पर, ई. कोलाई का टीका मुंह से देना चाहिए। और 2 महीने के बछड़ों को कृमिनाशक दवा देनी चाहिए। जानवरों को खुले में नहीं छोड़ना चाहिए और उन्हें उचित शेड में रखना चाहिए।उनके लिए नियमित जल आपूर्ति सुनिश्चित की जानी चाहिए।
गाय	गायों/भैंसों में संक्रामक दस्त होने पर, ई. कोलाई का टीका मुंह से देना चाहिए। और 2 महीने के बछड़ों को कृमिनाशक दवा देनी चाहिए। जानवरों को खुले में नहीं छोड़ना चाहिए और उन्हें उचित शेड में रखना चाहिए।उनके लिए नियमित जल आपूर्ति सुनिश्चित की जानी चाहिए।
भेड़	ऊन उत्पादन के लिए, ऊन काटने से पहले भेड़/बकरियों को अच्छी तरह से साफ करें। जानवरों को खुले में नहीं छोड़ना चाहिए और उन्हें उचित बाड़ों में रखना चाहिए।

पशुपालन	पशुपालन विशिष्ट सलाह
बकरा	ऊन उत्पादन के लिए, ऊन काटने से पहले भेड़/बकरियों को अच्छी तरह से साफ करें। जानवरों को खुले में नहीं छोड़ना चाहिए और उन्हें उचित बाड़ों में रखना चाहिए।

मौसम चेतावनियों के संभावित प्रभाव (सामान्य):

बढ़ते तापमान के कारण गेहूं में ऊष्मा तनाव उत्पन्न हो सकता है, जिससे दानों के भरने और उपज पर असर पड़ सकता है। दलहन फसलों में फली भरने की प्रक्रिया भी उच्च तापमान के कारण प्रभावित हो सकती है।

प्रभाव आधारित सलाह (सामान्य):

फसलों और सब्जियों की फसलों में तापमान बनाए रखने के लिए नियमित अंतराल पर सिंचाई करें।